आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शनिवार 14.03.2026
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि राष्ट्र के नायक हैं, जिनका परिश्रम और समर्पण प्रेरणादायक है।
- देश में एलपीजी की आपूर्ति पर्याप्त, केंद्र सरकार ने डिजिटल बुकिंग और नियमित वितरण पर जोर दिया।
- राज्यपाल गुरमीत सिंह ने देहरादून में "महिला उद्यमीः उभरते सितारे" समारोह में महिलाओं को किया सम्मानित। कहा–
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून में लोकपर्व फूलदेई का त्यौहार पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ मनाया।

भारतीय किसान मेला

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि राष्ट्र के नायक हैं, जिनका परिश्रम और समर्पण प्रेरणादायक है।

मुख्यमंत्री आज ऊधम सिंह नगर के पंतनगर में आयोजित 119वें अखिल भारतीय किसान मेला और कृषि उद्योग प्रदर्शनी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से राज्य सरकार भी किसानों की समृद्धि के लिए लगातार कार्य कर रही है।

श्री धामी ने कहा कि प्रदेश में किसानों को तीन लाख रुपये तक का ऋण बिना ब्याज के दिया जा रहा है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अन्न दाताओं की आय को दोगुना करने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए बजट– 2026–27 में कई प्रावधान किए हैं।

एलपीजी आपूर्ति

देश में क्रूड ऑयल की आपूर्ति पर्याप्त है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता पर संचालित हो रही हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एलपीजी को लेकर पैनिक बुकिंग अभी भी बढ़ रही है।

सुश्री शर्मा ने सभी नागरिकों से अपील की है कि आवश्यकता होने पर ही बुकिंग करें और पैनिक बुकिंग से बचें। साथ ही उन्होंने सिलेंडर रिफिल की बुकिंग डिजिटल माध्यमों से करने का आग्रह किया।

संयुक्त सचिव ने बताया कि ब्लैक मार्केटिंग और जमाखोरी रोकने कके लिए लगातार छापेमारी व सरप्राइज निरीक्षण किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि घरेलू उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। शहरी क्षेत्रों में अगले सिलेंडर बुकिंग और डिलीवरी के बीच न्यूनतम 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतम 45 दिन का अंतर रखा गया है।

संयुक्त सचिव ने कहा कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों के वितरण के लिए भी निर्णय लिया गया है। राज्य सरकारों के साथ चर्चा के बाद कमर्शियल उपभोक्ताओं को सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है।

"महिला उद्यमीः उभरते सितारे"

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने आज लोक भवन में आयोजित "महिला उद्यमीः उभरते सितारे" सम्मान समारोह में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिला उद्यमियों को सम्मानित किया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति तब संभव होती है जब महिलाएँ नेतृत्व की भूमिका में आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि आज की महिलाएँ केवल परिवार और समाज की आधारशिला नहीं, बल्कि राष्ट्र की आर्थिक प्रगति और सामाजिक परिवर्तन की सशक्त वाहक भी बन रही हैं।

राज्यपाल ने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक ऊर्जा की सराहना की और कहा कि भारतीय महिला आज अपने संकल्प और प्रतिभा के बल पर विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रही है। उन्होंने विशेष रूप से उत्तराखण्ड की मातृशक्ति की सराहना करते हुए कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों की महिलाएँ कठिन परिस्थितियों में भी अद्भुत साहस, परिश्रम और नेतृत्व का परिचय देती हैं। राज्य की महिलाओं ने स्वयं सहायता समूहों, कृषि, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों के माध्यम से राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

फूलदेई

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून स्थित मुख्यमंत्री आवास में लोकपर्व फूलदेई, हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ मनाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को फूलदेई की शुभकामनाएं दीं।

फूलदेई उत्तराखंड का एक प्रमुख पारंपरिक लोकपर्व है, जो बसंत ऋतु के आगमन और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है। यह पर्व चैत्र मास की संक्रांति, अर्थात मार्च के मध्य में मनाया जाता है। इस अवसर पर बच्चे घर–घर जाकर दहलीजों पर फूल बिखेरते हैं और सुख–समृद्धि की कामना करते हैं। इसके बदले में वे गुड़, चावल तथा आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

फूलदेई को फूल संक्रांत, भी कहा जाता है। कुमाऊँ और गढ़वाल में इसे फूलदेई, जबकि जौनसार क्षेत्र में गोगा के नाम से जाना जाता है। उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में सौर कैलेंडर का प्रचलन है, इसलिए इन क्षेत्रों में हिन्दू नववर्ष की शुरुआत भी मीन संक्रांति, यानी फूलदेई से मानी जाती है। इसी तरह उत्तराखंड में फूलदेई पर्व के माध्यम से बच्चे प्रकृति के ताजे फूलों के साथ नववर्ष का स्वागत करते हैं।

कुमाऊँ क्षेत्र में इस पर्व को विशेष रूप से बच्चों का त्योहार माना जाता है। बच्चे सुबह–सुबह जंगलों और बगीचों से ताजे फूल, विशेषकर प्योंली और बुरांश के फूल, एकत्र करते हैं। इसके बाद बच्चे थालियों या छोटे पात्रों में फूल और चावल लेकर घर–घर जाते हैं और दहलीज पर फूल चढ़ाते हुए गीत गाते हैं–

"फूलदेई, छम्मा देई, दैणी द्वार, भर भकार।"

महिला आयोग

आज राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कोटद्वार स्थित महिला हेल्प डेस्क और साइबर क्राइम कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने साइबर सेल में महिलाओं से हो रही ठगी को जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में यू सीसी लागू होने पर महिलाओं को लिव इन रिलेशन में रहने के दौरान सुरक्षा मिली है। श्रीमती कंडवाल ने कहा कि महिलाऐं पुलिस थाने तक मुश्किल से आती हैं इसलिए उनकी समस्याओं को सुनकर उनका समाधान किया जाए।

अग्निशमन विभाग

अग्निशमन विभाग ने नैनीताल जिले में स्थापित अपने सभी 118 फायर हाइड्रेंट्स का भौगोलिक सूचना प्रणाली द्वारा मैपिंग का कार्य पूरा कर लिया है। प्रशिक्षण के बाद, जल्द ही इसका लिंक अग्निशमन कर्मियों और जिला पुलिस नियंत्रण कक्ष के साथ साझा किया जाएगा।

जिले के मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौरव किरार ने आकाशवाणी को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रकार की तकनीकी प्रणाली अपनाने वाला नैनीताल पहला जिला है।

श्री किरार ने बताया कि लिंक पर जाकर अग्निशमन कर्मियों को नजदीकी जल स्रोत, ऑपरेटर सहित जल संस्थान कर्मचारियों के मोबाइल नंबर, अक्षांश और देशांतर की भी जानकारी उपलब्ध होगी।